## पंजीकरण की प्रक्रिया

- पंजीकरण के लिए ई-मेल - hindimlsu@gmail.com पर अपने पदनाम, स्थान, आवास व्यवस्था अपेक्षित है या नहीं आदि के उल्लेख सहित संदेश 29 फरवरी, 2016 तक अनिवार्यतः भेज दें। आप वांछित सूचनाओं के साथ पत्र भी लिख सकते हैं। अपना शुल्क ( अध्यापकों के लिए रु.1500 और शोधर्थियों के लिए रु.1000 ) खाता संख्या 694201437677 (Bank : ICICI Bank Ltd. Branch : University Campus, Udaipur, IFSC Code : ICIC0006942) में जमा करवा दें और रसीद अपने साथ लेकर आएँ।
- शोध पत्र ( अधिकतम 3000 शब्द ) सार संक्षेप ( 300 शब्द ) सहित कृतिदेव 10 या मंगल में टाइप कर उक्त मेल पर भेज दें। यह सुनिश्चित करें कि आपका शोध पत्र भक्ति आंदोलन और साहित्य की हमारी पारंपरिक समझ और ज्ञान में कुछ नया जोड़ता हो।


संपर्क : संगोष्ठी संयोजक : प्रो. माधव हाड़ा, अध्यक्ष : हिन्दी विभाग
09414325302

संगोष्ठी समन्वयक :

डॉ. नीतू परिहार 09413864055
डॉ. नवीन नंदवाना 09828351618
डॉ. आशीष सिसोदिया 09414851055
डॉ. राजकुमार व्यास 09928788995
डॉ. नीता त्रिवेदी 09950960999

दूरभाष : Tel. +91294 2470143, 2470509, Ext.: 3202
ई-मेल : hindimlsu@gmail.com

# राष्ट्रीय संगोष्ठी

# भक्ति आंदोलन का क्षेत्रीय वैशिष्ट्य

**4-5 मार्च, 2016**


**हिन्दी विभाग**
**मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय**
उदयपुर 313039 राजस्थान


## प्रास्ताविक

भक्ति आंदोलन की व्याप्ति लगभग संपूर्ण देश में थी। हमारे सांस्कृतिक वैविध्य के अनुरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में इसने अलग-अलग कई रूप धारण कर लिए। भक्ति आंदोलन की समवेत पहचान बनी, इस पर कई शोध कार्य हुए, लेकिन इस समवेत पहचान में इसकी क्षेत्रीय विशेषताएँ दब गईं। भक्ति आंदोलन के दौरान संचार के साधन सीमित थे, इसलिए क्षेत्रीय सांस्कृतिक इकाइयाँ स्वायत ढंग से विकसित हुईं और उनमें भक्ति आंदोलन ने भी कई अलग और खास रूप ग्रहण किए। भक्ति आंदोलन पर हुए अध्ययन और शोध में इन अलग और खास रूपों पर अभी तक कोई कार्य नहीं हुआ है। देश विविध भूभागों में क्षेत्रीय सामाजिक-सांस्कृतिक जरूरतों के तहत कई संत-भक्त हुए। उन्होंने सीमित क्षेत्र में प्रभावी आंदोलन चलाए और देश भाषाओं और बोलियों में साहित्य लिखा। जनसाधारण में इनकी पर्याप्त स्वीकार्यता मान्यता भी रही। प्रस्तावित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य भक्ति आंदोलन के इन क्षेत्रीय रूपों की पहचान है। संगोष्ठी में विभिन्न क्षेत्रों से आए विद्वान और शोधार्थी अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक जरूरतों के तहत विकसित भक्ति आंदोलन के वैशिष्ट्य पर विचार करेंगे।

## प्रस्तावित विचार सत्र

- भक्ति आंदोलन का क्षेत्रीय सामाजिक -सांस्कृतिक आधार
- क्षेत्रीय सांस्कृतिक इकाइयाँ और भक्ति आंदोलन
- लोक-समाज की सामाजिक-सांस्कृतिक जरूरतें और भक्ति आंदोलन
- क्षेत्रीय संत भक्त और उनका साहित्य

## प्रस्तावित विचारणीय विषय

- भक्ति आंदोलन और सांस्कृतिक वैविध्य
- क्षेत्रीय सांस्कृतिक वैशिष्ट्य और भक्ति आंदोलन
- उत्तर और दक्षिण भारतीय भक्ति आंदोलन
- भक्ति आंदोलन का क्षेत्रीय सामाजिक आधार
- दक्षिण भारतीय भक्ति आंदोलन
- देश भाषाएं और भक्ति आंदोलन
- प्रादेशिक क्षेत्रीय सांस्कृतिक पहचानें ( मेवाड़, मारवाड़, सौराष्ट्र, कच्छ, मालवा, विदर्भ, ब्रज अवध आदि ) और भक्ति आंदोलन
- क्षेत्रीय संत-भक्त और उनका साहित्य
- भक्ति आंदोलन के क्षेत्रीय रूपांतरण की प्रक्रिया

# राष्ट्रीय संगोष्ठी

## भक्ति आंदोलन का क्षेत्रीय वैशिष्ट्य

**4–5 मार्च, 2016**

## पंजीकरण प्रपत्र

नाम : .....

पद : .....

संस्था : .....

.....

शोध पत्र का शीर्षक : .....

दूरभाष : .....

ई–मेल : .....

आवास व्यवस्था चाहिए : हाँ / नहीं : .....

पंजीयन शुल्क : संकाय सदस्य : 1500/– एवं विद्यार्थी/शोधार्थी : 1000/–

## प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तुत शोध पत्र मौलिक, अप्रकाशित एवं अप्रसारित है।

हस्ताक्षर : .....

नाम : .....

**विशेष :**

- संभागियों को किसी प्रकार का यात्रा–भत्ता देय नहीं होगा।
- अपने आगमन की सूचना 29 फरवरी, 2016 तक दे देवें।
- शोध पत्र का सार–संक्षेप 29 फरवरी, 2016 मेल कर देवें।
- आलेख टंकण का कार्य कृतिदेव 10 या यूनिकोड मंगल में करवाएं।

**संपर्क :**

हिन्दी विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर,

**वेबसाइट : www.mlsu.ac.in** ई–मेल : **hindimlsu@gmail.com**